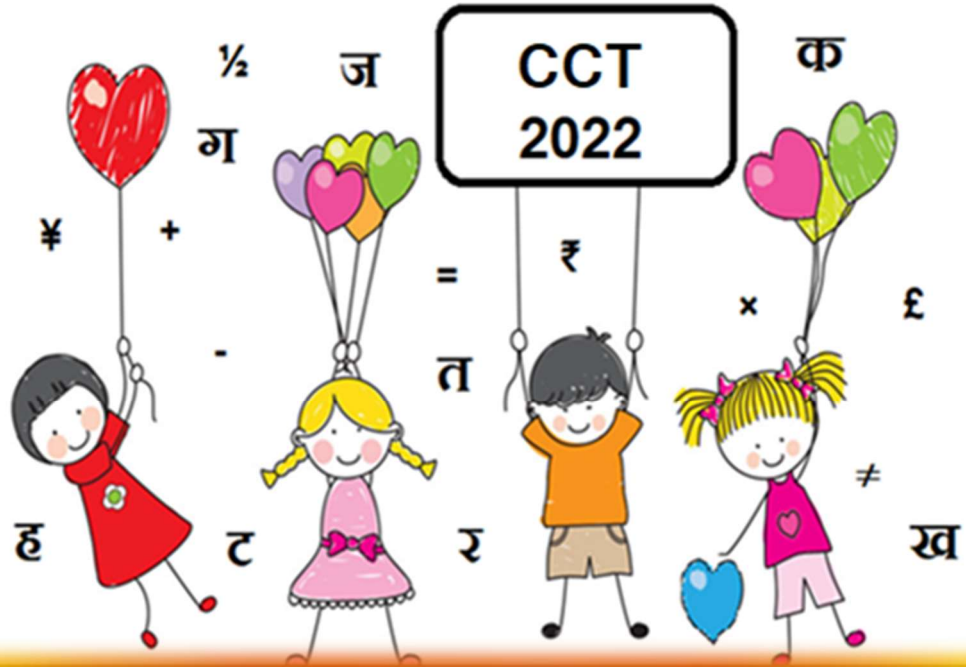


समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास जून 2021

विषय - हिन्दी

कक्षा - 6-8

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग



संकलित - राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर-47, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

समन्वयक :

प्राचार्य श्रीमती डॉ प्रीति गर्ग राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 47, चंडीगढ़।

निर्माण समिति :

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
8. रीता वसिष्ठ राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

दिशा निर्देश :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुनःप्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

Reading Literacy (Hindi)				
Class 6 th to 8 th				
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	साइकिल की कहानी	Understand Analyze	पाठ्य पुस्तक	4
2	कर्मवीर	Understand	पाठ्य पुस्तक	8

प्रतिमान-1

पाठ्य पुस्तक : वसंत भाग – 3	कक्षा : 8
प्रकार : कहानी	पाठ का नाम : जहाँ पहिया है
<p>सीखने के प्रतिफल:</p> <p>808. विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे:- कहानी, कविता, लेख, रिपोर्टाज, संस्मरण, निबंध, व्यंग्य आदि को पढ़ते हुए अथवा पाठ्यवस्तु की बारीकी से जाँच करते हुए उसका अनुमान लगाते हैं, विश्लेषण करते हैं, विशेष बिंदु को खोजते हैं।</p> <p>809. पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।</p> <p>811. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं। जैसे:- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।</p>	


उपविषय : साइकिल की कहानी

बिगड़ती जीवन-शैली मोटापे के साथ-साथ कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रही है। ऐसे में इन समस्याओं से बचाव करने के लिए कुछ प्रकार की शारीरिक गतिविधियां जरूरी हैं, ताकि शरीर को स्वस्थ रखने में कुछ मदद मिल सके। ऐसे में साइकिलिंग एक स्वास्थ्यवर्धक गतिविधि साबित हो सकती है। जिससे हृदय स्वास्थ्य को सुधारा जा सकता है, वजन प्रबंधन में मदद मिल सकती है, मांसपेशियों को मजबूत बनाया जा सकता है, अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है और मानसिक तनाव को कम किया जा सकता है।

यूनाइटेड नेशंस ने साइकिलिंग को प्रोत्साहित करने हेतु 3 जून 2018 को पहली बार विश्व साइकिल दिवस मनाया। इसका लक्ष्य यातायात के लिए एक आसान, सस्ती, भरोसेमंद, स्वास्थ्यवर्धक व्यायाम हेतु और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहायता करने वाले साधन के तौर पर साइकिलिंग को बढ़ावा देना था। तो आइए जानें यह साइकिल की कहानी कैसे आरंभ हुई:-

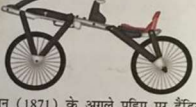
साइकिल की कहानी

1.




सबसे पहले सन् 1971 में हॉबी-हॉर्स को पेरिस के एक पार्क में रईसों के एक खिलौने के रूप में प्रदर्शित किया गया।

2.




ड्यूसिगान (1871) के अगले पहिए पर हैंडिल लगने के कारण साइकिल को कुछ स्थिरता मिली। 'हॉबी-हॉर्स' चालक अपनी गाड़ी पर सवारी करने के साथ-साथ मिट्टी में भी चलते।

3.




मैकमिलन की विलॉसिपीड (1839) वह पहली साइकिल थी, जिसमें पैर मिट्टी से सनते नहीं थे। इस मॉडल को एक भी साइकिल नहीं बिकी, परंतु बहुत से लोगों ने इसकी नकल की।

4.




मिचोक्स की विलॉसिपीड (1863) व्यावसायिक रूप से पहली सफल साइकिल थी। बहुत महंगी होने के बावजूद लोग इसके दीवाने हो गए और इसकी शोहरत अमेरिका से यूरोप तक फैली। इसे साहसी अमीर लोग ही चलाते। क्योंकि इसमें बहुत-से शटके लगते थे, इसलिए इसका नाम 'बोन-शेकर' पड़ा। बहुत-से निंदकों के कारण इसको कई जगह सड़कों से हटाना पड़ा।

5.




कैचे पहिए वाली साइकिलों को आम लोगों ने पहली बार चलाया। पाँव रखकर ऊपर चढ़ने वाली इस प्रकार कई हजार साइकिलें बनीं। 1870 से 1890 तक ये साइकिलें सड़कों पर छाई रहीं। इस साइकिल ने पहली बार लोगों को मुक्त होकर सड़क पर चलने की स्वतंत्रता प्रदान की। परंतु इन्हें भी केवल खिलाड़ी, और साहसी पुरुष ही चलाते थे। मनुष्य की टाँगों की लंबाई ने अगले पहिए के व्यास को बढ़त सीमा तय की।

6.




इस कैची साइकिल के ऊपर बैठे सवार को बड़ी शाही-शान शौकत महसूस होती थी। परंतु इन साइकिलों को चलाने के लिए बहुत कुशलता की आवश्यकता होती थी। क. चलाना शुरू करते समय ख. बहुत बड़े पहिए को हैंडिल करने में ग. ढलान पर नीचे उतरने में

7.




सड़क पर जीव-जंतुओं, ईंटों और गड़बड़ों के कारण चालक बुरी तरह मुँह के बल निरता था। पहिए की तीलियों में कोई ईंट, मजबूत रस्सी या छड़ घुसने से भी यही होता था। इन कैची साइकिलों के चालकों पर लोग बुरी तरह अपना गुस्सा निकालते थे। कभी-कभी बड़े पहिए की तीलियों में चालक का पैर या कपड़ा फँस जाता और वह गिर जाता।

8.




लौसन की चैन चालित 'बाइसिलिट' (1879) में पहली मॉडर्न साइकिल बनी, जिसमें पिछला पहिया चैन से चलता था, क्योंकि चालक की सीट बहुत पीछे थी, इसलिए हैंडिल दूर संचालित था।

9.



शुरुआती 'रोवर सेंप्रेटी साइकिल' (1885) में भी अप्रत्यक्ष स्टेयरिंग था। इसमें पहली बार एक छोटा बड़ा आकार के फ्रेम का उपयोग किया गया, जो आज तक एक मानक फ्रेम के रूप में बरकरार है।

10.



बाद की रोवर सेंप्रेटी साइकिल का मॉडल, जिसमें साइकिल पूरी तरह से विकसित हुई।

1. स्कॉटलैंड के किर्टपैट्रिक मैकमिलन को साइकिल का आविष्कार माना जाता है।
2. सन् 1869 में बाइसिलिट शब्द पहली बार उपयोग किया गया।
3. सन् 1889 में हवा से भरे टायरों का साइकिल में पहली बार प्रयोग हुआ।
4. पर्यावरण संरक्षण अभियान और शरीर को स्वस्थ रखने वालों ने साइकिल का महत्व पहचाना और इसका चलन तेजी से बढ़ा, जो आज बेहद प्रासंगिक है।

1) यदि अंक अनुसार दी गई जानकारी वर्ष क्रमानुसार भी है, तो पहले 2 अंकों में दिये गए वर्षों में क्या गलती की गई है? दिये गए वर्षों के किन्हीं दो अंकों में हेर-फेर कर उत्तर दें।

2) उपरोक्त जानकारी के अनुसार साइकिल का आविष्कार किस वर्ष में माना जाता है?

- क) 1817 ख) 1839 ग) 1863 घ) 1879

3) साइकिल निर्माण प्रक्रिया की विशेष बातों को सही क्रम अनुसार लिखें:-

- क) पैर मिट्टी में सनते थे। ख) प्रत्यक्ष स्टीयरिंग होना।
ग) शाही शान-शौकत महसूस होना। घ) इसका नाम बोन- शेकर पड़ा।
ङ) रईसों के एक खिलौने के रूप में।

4) विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व साइकिल दिवस से कितने वर्ष पहले मनाया जाने लगा था ?

5) आपके विचार से साइकिल आज की जीवन शैली के लिए क्यों आवश्यक है? पर्यावरण और स्वास्थ्य के आधार पर बताएं।

केवल अध्यापक के लिए :

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
2.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4.	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
5.	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला:

1. Full Credit : क) 1791 ख) 1817
 Partial Credit : कोई एक सही उत्तर
 No Credit : असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
2. Full Credit : ख) 1839
 No Credit : अन्य विकल्प
3. Full Credit : क) रईसों के एक खिलौने के रूप में ।
 ख) पैर मिट्टी में सनते थे।
 ग) इसका नाम बोन- शेकर पड़ा ।
 घ) शाही शान-शौकत महसूस होना।
 ङ) प्रत्यक्ष स्टीयरिंग होना ।
 Partial Credit : कोई तीन सही उत्तर
 No Credit : असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
4. Full Credit : विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 से मनाया जाने लगा। इसके अनुसार विश्व साइकिल दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस में 44 वर्ष का अंतर है।
 No Credit : असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
5. Full Credit : यातायात के अन्य साधनों के धुँएँ से पर्यावरण प्रदूषित होता है, जिसका प्रकृति और

मनुष्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है। साइकिल एक ऐसा साधन है, जिससे पर्यावरण भी प्रदूषित नहीं होता और इसे चलाने से मनुष्य का स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

Partial Credit : विद्यार्थी का तर्कसंगत उत्तर मान्य होगा।

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

पाठ्य पुस्तक : वसंत भाग – 3	कक्षा : 8
प्रकार : कविता	पाठ का नाम : दीवानों की हस्ती
<p>सीखने के प्रतिफल:</p> <p>811. कहानी, कविता आदि पढ़कर लेखन के विविध तरीकों और शैलियों को पहचानते हैं। जैसे:- वर्णनात्मक, विवरणात्मक, भावात्मक, प्रकृति चित्रण आदि।</p> <p>815. पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में लिखित या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्ति करते हैं।</p> <p>816. भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं। जैसे:- कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।</p>	

उपविषय : कर्मवीर

मंजिल की राह में, कंकर कई पत्थर हैं भरे, मिली हार तो होंगे ही कई, पुराने ज़ख्म हरे। चलो यत्न कोई करें, मेहनत आओ ज़रा करें, हार का ही होगा वरण, यदि सोचे, आराम ज़रा करें।	न बैठें निश्चेष्ट हाथ धरे, धीर धरें, आगे बढ़ें, पथ चुनें, लक्ष्य वरें, वीर बनें, कर्म करें। चलो थोड़ा यत्न करें, पूरी लगन से आज हम, जीत को ही वरें। -©कपिल शर्मा-
---	--

1) मंजिल की राह में आने वाले कंकर और पत्थर किसका प्रतीक हैं? सफलता प्राप्त करने के लिए क्या करना होगा?

2) कविता के आधार पर दिए गए शब्दों की सहायता से निम्न रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

(प्राप्त, वीर, लक्ष्य, आराम, असफलता, धैर्य)

कविता की पंक्तियों के अर्थानुसार :-

..... करने की सोचेंगे तो ही मिलेगी। जो प्रयास नहीं करते व बैठे रहते हैं, उन्हें कुछ नहीं होता। धारण करने व अपना चुन आगे बढ़ने वाला ही कहलाता है। पूरी लगन से किया गया थोड़ा सा प्रयास भी विजय दिला सकता है।

3) यदि लक्ष्य प्राप्ति की राह में कोई रूकावट /अवरोध आए तो हमें क्या करना चाहिए? (सही विकल्प चुनें)

क) आराम ख) लक्ष्य का निर्धारण ग) निश्चेष्ट रहना घ) प्रयास

i) क,ख ii) ख, ग iii) ग,घ iv) ख,घ

4) लक्ष्य की प्राप्ति से पहले ही हार मान लेना क्या उचित है? अपने विचार व्यक्त करें।

5) गर्मी में विद्यालय से घर जाते समय मोहन एक किलोमीटर के रास्ते में हर 250 मीटर पर 5 मिनट आराम करते हुए 30 मिनट में घर पहुंचा, बताएँ उसने रास्ते में कितने मिनट आराम किया?

क) 30 मिनट ख) 20 मिनट ग) 15 मिनट घ) 25 मिनट

केवल अध्यापक के लिए :

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
4	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
5	तथ्यात्मक	बहुविकल्पीय	औसत

उत्तरमाला:

1. Full Credit : रुकावटें/मुसीबतें। सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य चुन उसके लिए प्रयास करना चाहिए।
Partial Credit : कविता के भावानुसार संगत उत्तर भी मान्य होगा।
No Credit : असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
2. Full Credit : आराम, असफलता, प्राप्त, धैर्य, लक्ष्य, वीर
Partial Credit : कोई तीन
No Credit : असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
3. Full Credit : iv) ख,घ
No Credit : अन्य विकल्प
4. Full Credit : विद्यार्थी का तर्कसंगत उत्तर मान्य होगा।
No Credit : असंगत/अस्पष्ट /अन्य उत्तर
5. Full Credit : ग) 15 मिनट
No Credit : अन्य विकल्प